

ਅਸਤ੍ਰਿ ਸੁਖ

५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीमद्भगवत्परा
कण्ठसूक्तम् ॥ ॐ शुभं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ
उद्दिष्टं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ ॥ श्रीपूजा
उगता सै सा ल स क ली शुभं य काः य य ध क ल ल सै या डी
ध सै सा न सः या क मा नु श डीः स क ली स्वर्मा ला रु न ड य मा
ल ल ल या डीः य डी य नू ष सा या डीः क न ल न ल ल या डीः

उच्चाह्वानः दुर्गादेति नमः मालकैः ध्वजाः सूर्यगिरिः
सुमार्गसद्वनधकालयलना ॥ ० ॥ यनये च यथान
लाय ॥ ० ॥ उन्माद्वर्गद्विपविष्टुद्धवाजायः नृथग
नासाहकः समक् सैरुद्धायः उन्माद्वर्गद्विपविष्टुद्धवाजायः
ध्वय ३ सर्वकामावलनानि विष्टुद्धयस्यादा ॥ २ ॥
श्रीपूजादुर्गादेति नमः मालकैः यानः यविष्टुद्धयानां

ददद को सः वा आरु या डी वा दः र था ग दः अ ध र स म्य
की वा धि स्तान ना दा डी वा दः थ थि द्ध र था ग दः न म स्त
ल या दा डीः ल ध य या दा डीः स म न नैः द न लाल या डी
स व सँ साल स क लैः श्व या डीः य र खः का म ना नैः डी न
ध क ला र या डीः ल ध य या दू न ॥ ३ ॥ **थ न व ड न का वि**
य ॥ य र ल व सँ डी न ॥ स क थ ड ॥ ॥ कृ ण ल्य श्रु धा मानः

ला व य शा **य थ म न न दा य ॥** उ य ल्य र स दा य ल्य अ य ल म
न य ल्यः स्तान सँ ला व य वि नैः उ स व स स्तान य वि श्रु द
ध म्म क र ग न स म्म न न ल्य ला व वि श्रु द स दा न य य वि वा
न स्ताना ॥ ० ॥ **दी य रीः थ य थ म नः** ला ग या दा नः स
नी ल य वि द्ध रु या डीः य ल्य आ स्तान लाल य लः ग थि उः
य ल्य ध क थ ल साः य ल्य या सि नै य ल्य थ काः ग थ ध क थ

अथ मयः असख्ये न्यथ माने येन थकाः थलिया का
वनेः स्नामि लकिया का उः सदा सर्व का वः यत्रि शुद्धि
इतिः धर्मि अतु वा गी ॥ २ ॥ नमः स्नाल या का वः गगनः
आका सतः शुद्ध इया उः वां स ख दा उ नः शुद्ध उत्रिः
आ स्ना इय मा थकः सवल पि उ ॥ ० ॥ **थन श्री सूर्य देव**
यावः नत विरय के ॥ थन कित न के ॥ ३ नमः श्री सूर्य देवाय

नाग स हो स का सः यद्वा नाग व ज सूर्यः दिवा कर्तु नम
सुत ॥ ० ॥ **थन सगन विरयः याव न याव के ॥ थन मनु**
ल विरय ज न ॥ थन कृत य ना उः सिन्धु ल का य केः हल
ना या केः त्रि व न न के ॥ थन हल का द न स न याव के ॥
थन पि त य न उः वा आ या सिन्धु व का य केः मृग व न रि
द के ॥ थन सिद्धि उ न या ख र ना ॥

२३२३

शानमन श्रुया नाम का आवरु सा यः॥ न कति नीमी
हनाथः सक सं न ज्ञा सुदम का थः विद्रादा थः व्यनाथ
निन पुन थ का हान पा डीः कं ग्व त माल थ स कं ग्व त वा का
व त्रि मा न थ सः वा का व त्रि स्व स्य दि क ३४ क पु न थ ल स्य
नः ७२ सु द म क ल ॥ ॥ २४ थ वी का व त्रि हा ना नः क ग्व ल हा
नानः क ना पा त म दः वि स्य व म दः का क र थ म न रु या डीः

पुन या ल क न म थ व कः द द थ ल व रु य रु व थ कं ला
र पा वः वे द वि द्रा व क मा ल ल वी वा य का वः अ य क
मा र ल उ य का वः ना लि ७२ व न या ना डीः ना री या
ल क न नः मा य मा ७ वा रु स्व या वः व व विः मा ल
गु लि व व वि या ना वः न क मा ल गु लिः न का व
ल न क मा ल गु लिः ल न का वः पा य मा ल थ स पा

न्याउ ॥ काकउ न्य मूत थसः काक नउ स्य ४ वि क न
मान थसः वी क न व स्य सउ ॥

॥ नमः ॥ ॥ देव दय कया गद धि अध क ला ॥ ॥
ज्ञाया कन यूता मान क थाय ना धन का उः कृणया न वलिः
पान ॥ यूता या हा उः थाम संग य क ल कृणः य क म ये न धन
या यः श्री सूर्या दः सुदम कृलः गिरमा धिः कल स यूता धन
का उः रमि आ धन या यः जायः धवः निला ऊनः मगः रुः
गान काः य स्र धा ना य न य न यूता धन का उः कि न नः सुद यूता

दक्रिनाः विसृज्यन् ॥ ॥ अहो ग इत्ता ॥ ॥

मन्त्रवशात्केशवः दयकादिभिः स्वर्गसंग्रहः कठकचउ
पगायः उद्युक्तः नारायणः सिद्धदायः कृष्णवर्णवयस्यः ॥ १०५
वाङ्मयनसः गन्धर्वानां हंसध्वजकायाः खड्गानां कृष्ण
इत्यन्येऽपि गणकाः उक्तेः कठकचदयुः दिव्यनिवृत्तिः ॥
१०६ ॥ इति नमः केशवरायायिः गणनावासाय सः श्रीगणेशाय नमः ॥

या हा जः सः या रवी न वा ना जः थ रु व थ ठ ना क नः थ रु झा
स स इ हान ना जः रु त न स वा सः अ व न न रु य उ र व ॥ २६ ॥



याः हि न द्या ता उः वा द्वा सः किं उ म अ स वा द्वा न याः द्वा उ नः
थ क थ द्वा उः द्वा उ न म वा स वा नि ॥ ॥ ज्ञा न वि या र्वा
द्वा उः सु ति द्याः सु र्वा निः च सु र्वा द्वा उ र्वा नः वा द्वा सः द्वा
उ उ स वा द्वा स वा द्वा उ नः क थ द्वा नः द्वा उ न म वा सः नः
म न द्वा उः नि र्वा नः द्वा स नि स वा न ॥ ॥ ज्ञा उ द्वा द्वा ध्व
पु र्वा ग वा द्वाः म वा द्वा य वा पु र्वा ग वा नः वा य सः थ उ नः म
वा ल कः म वा य ग पु र्वा ल कः थ उ द्वा स वा ल सः सा द्वा न न

म लः मा न स ॥ ॥ उ य रि वा या उ द्वा ग वाः का ग र
लि सः उ र्वा नि याः द्वा ग न नः म्वा ना ना म द्वाः उ म्
की स र्वा मा न य उः थ न वा र्वा नः थ मि सा थ व व र्वा
ल स ॥ १ ॥ ज्ञा द्वा द्वा य वा ग न र्वाः मि सा व ग म र्वा
का लः थ का ग र लि स वा या ना मः उ डि म स र्वा द्वा
न स न न ना व र्वा र्वा ॥ १ ॥ वा म व द्वा म वा या

लातःलासुवनःहृगनाजयादाःसमलागःपृष्ठा
नक्रुक्रुक्रुःकृमातीमसमाननेयकमावःचन
नगस्यकास्यःगिरुवनसचाकावैःयस्यायाति
नैश्व॥१॥ मृतीवायुनयनाःवसुशुतीयाकाश्व॥
गववनःमनसिनःपाठकःकृमम
थनकक्रुवःमसमानःनेयकावःचनननस्यःकै

सुगवजीसनःपृष्ठःमृतीःवाजाःमाहवयःथववस
यायजीवश्व॥ विषसंवात्रमदा नैश्व॥३॥ काया
हीयुतिःलावीवनःथनेनाःकृमलमसमानः
नेयकावःवह्निनीदयकनःथवीवावःखववाया
शाननःचनननस्यकाश्वनःमृतीःपृष्ठःवाजाज्जी
दिनमाहवयःथववसयायश्वी॥४॥ न्यसस्यथ

गमनवनः मयूत्र मिखाः मादुनः मनमित्रः थन
नवननं नं स्यं कस्यनः सर्वनाकर्यः मादुनयः थ
ववसयाय ॥ ८ ॥ वनरुतिः शीमनाजः सरुदवीः गो
यज्जरादिनकाः थनगमनवनवक्रासुः नयाः नखन
युष्यनरुगुक्कः कुमलमसमावननचकनायः थच
नननं स्यं वाकनः स्वावसाका मिसाधर्मः थववसयाय ॥ ९ ॥

थवमासीकशुवहीवः गमनवनः वावावः मिसाधर्म
नः नं स्यं वाकनः मिखानखकाः पुत्रस्वयः मादुन
यः वसयाय रुगश्व ॥ १० ॥ द्वादकनवीनखानः नकाः
कटः किशियामदजलः दोधलः गायकायदूः गायली
मनाजकाः थनगमनवनवक्रासुः नयाः नखन
कुदूनाः स्वादूली खननशावः वहिनिदयकगाव

शुद्धागालयेश्वरसुताः धनचननकसुनः व्यसन
सुनकागकासिधयः यमकाधायकाः डीयमानः स
मस्तुताकः यवशायरु ॥ ८ ॥ यमकासुनसुतः यव
वीजः दोखाः खावीः कसुयुजः यमनकदनेः नसाव
स्तुः लसावस्तुः रुदत्रपः नकः गानकः यववसयाव
नः यमकाकाकाः डीयाचकः मिसाथरुतः चित्तविनि

यमकावरे ॥ ९ ॥ प्रकाः किसियामदकुलनवासावः
कस्तुभययाभाउसुयुटयाकयाकावः चरुयाकाव
यनमिरवासः अजजनः मीनाः पुत्रयनाः भारुन
युयुवसयायकीवरे ॥ १० ॥ मनभाजनकाकानः
पुयुगुः रमतावनः यमकाजजनवाजनः मीदक
भादुरयः गजाभादुरय ॥ ११ ॥ वैहृष्टावेला

सौ दीना ॐ नः यत्नः कथयः श्राव्यः लभ्यः नोचनः
नकः प्रियं उः थनं समस्तानां नः मिखास वाचन
जासनः स्वकायः थववस्तुनः ॥ १२ ॥ अस्मयादीन
काया उ सः चिन्तावः रुभावः चिन्तावः गनकावः स्त्रोद
नास्तानि चिन्तावः काया उ नः सौ दीना ॐ नः समस्त
स्वकायः इथद शिवा नदयकः अस्मयादा कवा नाव

कावमस्तु सः अस्मयादीन वाचनः श्रीदाकाः यत्रयः
दाकाः थववस्तुनः ॥ १३ ॥ कायस्ताना दृष्टयस्तु लख
नं दृष्टयस्तु मित्रानः यत्रयस्तु दृष्टयस्तु ॥ अस्तु दिव्यमिन्द्रो न
राजः मस्तु न कश्चि नस्तु ॥ ॥



[illegible]

तानि चि नानि ह मा वथ वा कनि वं कु वत् मंति सततं यत्ता सुदि वा
रना तो रुठं नं रथ म ॥ ॐ न्म गपदि वं दा व्य विष म हा गी य ह ना न्दा
न व तं । सा सि धा ति कू न् स्वा हा ॐ हा न २ ल्य स्वा हा ॥ स व नं र्य
न हा न् । ग म ना ता ॐ ॥ ॐ व र व र ना ना न्म ४ ३ । ध्या न तं रु सा नि ता गी म
ध यं का न र व म्म मा न वं ; त द्वा नि ता ना गि म ध र का ना ह्वा था व
र्त्त म व म्म । व र्त्त र्त्त ॥ व म द न्द कं म द र्ध न यि ता र्त्त ना र्त्त न नं

ये हा व वि ति नं ; ति नं र्त्त ना म कू न् अ पि नं ; व द स त्या
न कू नं ; स म या यि वि ता र्त्त ॥ ॐ य ही म हा र्त्त द न्द
वि वि उ र्त्त फ म ग्द ही सा र्त्त ति म हा र्त्त सि नि ति ता
ह्वा उ र्त्त सा हा ॥ ॐ ति ग्द ना गि मा वा द ॥ ॐ ४ ॥
तं कि ता ज म्म ॥ नि ता ज न्म ॥ ॐ या र्त्त नं व ति न्म
सा हा ॥ न श्व न हा य ॥ ॐ र्त्त या व ज्वा न २ र्त्त सा हा ॥

यतयति॥ ॐ सर्व वायः^{वि}द्युमाता न ह स्मीकृतः
 स्वाहाः ॐ कायकाः ॐ सर्वावनमजानयनग्रहः ॥ श्री
 त्रैलोक्यमित्रा ॥ ॐ ऐं ह्रीं क्लीं वाव रि ह्रीं नाह निरुत्रव न ह
 रुट ॥ कुरु मित्रे शानति संशय गम भ ॥ कन सतिषक ॥ ॐ जगय
 दिव्यदीप्य विख मता जिग्रह व्य क्रय काह नाय इग्य रु ह वै स

मयसमिति॥ ॐ वक्रतर्कश्रा॥ ॐ ह्यननसमन्पुवमयत
तरदाधानिस्वधनेमथराताः नामवनपनः कुडाकेनम
आरः प्रतादसगमावरूपनिहैरु नानि कर्मनि॥ ॐ सर्वत
भागकायाविस्वधने स्वाहा॥ करसनखनः पंशभूतनहा
य॥ स्वानवाय॥ पूजाः नाः गुरुः धृतकुम्भ॥ ॐ वक्र
सखाश्र॥ ॐ जी स्वाहा॥ धृत श्वधन॥ उक्तमानेनम

स्वातयावक ॥ तता ६ जिमूषनूका जनय ऊरु
युमानं शुकवती विलया ॥ तच्छाचु म्वन धूनादयः
ॐ मनस्यसाहा ॥ धृत ॥ ॐ श्रवतिह नवजा यसाहा
कृष्ट ॥ ॐ कायसाहा ॥ श्रकासि ॥ ॐ वज्रश्रमायसाहा
प्रज्ञावसि ॥ ॐ वज्रगमजायसाहा ॥ वदिनसि ॥ ॐ
वज्रवधायसाहा ॥ श्रयामागसि ॥ ॐ वज्रकुर्वना

यसाहा ॥ उत्रगतसि ॥ ॐ वज्रययाससाहा
॥ उद्वनसी ॥ ॐ वदसनिनयिसाहा ॥ स
मिकेयसि ॥ ॐ वाचिविज्ञायसाहा ॥ विनजसा
॥ ॐ वदनायसाहा ॥ यिनायसि ॥ ॐ वदविदा
यसाहा ॥ यद्वनदमि ॥ ॐ मवनेसाहा ॥

[illegible]

नमो वायसना ॥ नमो ॥ ॐ महावनाय स्वाहा ॥
 मास ॥ ॐ महावनाय स्वाहा ॥ मात ॥ ॐ वज्रनाय
 स्वाहा ॥ ताया ॥ ॐ सर्वाय सिधिय स्वाहा ॥ ॐ का ॥ वका
 ॐ श ॥ नं स्वाहा ॥ द ति ॥ यमा ॥ भूक ॥ ॐ वज्रकुमाय
 स्वाहा ॥ कय ॥ ॐ के ॥ कोमाय स्वाहा ॥ कय ॥ ॐ सर्व

संयुक्तसाहा ॥ इदः जाः धात्रिजा ॥ ॐ वजनय तमायायः
साहा ॥ वियग्रः कृष्णम ॥ ॐ श्री १ दसनरु १ नाय साहा
कोनसि ॥ ॐ सर्व ना गद्य समनाय साहा ॥ इत्यस्मी
विस्तोद यः मूनमं नः पंरुयुज्ञानवृक्षाः नात
॥ सुनापात संनख तसं अमिं गीसा माविय ॥ ॐ ॥
वक सेव श्री १ ३ वूँ ती अजीसिमा ॥ पृथ माहं ति

॥ ॐ स्वस्ति वाकं ॥ ॐ पृथ माहं ति य साहा ॥ वृक्षा ॥
ना ॥ ॐ ॥ ॐ वूँ ति ग्या नाहं तीका मयंत ॥ पूर्व वयं ति
माहि देव रं ॥ ॐ ॥ ॐ वूँ ति ग्या नाहं तीका मयंत ॥ पूर्व वयं ति
कंकसाः लोका नं ग्या नागि विलावः शानाका नाग्या य
श्री अहं दिक् मनूना सना पनीः भदना विपताः वाक्
निषनः यिन् विदु प्रति नाभनः भदना विपति

समादययाहवः ॥ गणनसखवदकसादिलीनाकुबप
व नवसासनावः ॥ गणनसखसमयसखया ॥ त्विननिन
मिवसमनुसखनसाहकिहत्तवीला ॥ कृत्य अतिविश्व
पावनादयाद्यायमनादिकः ॥ ययसाः ॥ पूययन्त
हयति ॥ ॥ अकखनः ॥ पाषायाविश्वसातावद्व ॥ नाः
तत्तः ॥ खदडातायामुषहकातनसकवकयहनुव

नविलाव ॥ अयमेनयतायुसासापशामतयरुगाहन
साप्र ॥ ॥ विसादय ॥ ययदान ॥ अहंतिवायगाधर

॥ ॐ ॥ सिवाके ॥ ॐ ॥ अगयदिपादिपमासागियेह
येकेषावाहनाये ॥ दावयतसाकायाकिकेरुहस्वासा
॥ ॐ ॥ ह्यनाहंतिपुनय ॥ सासा ॥ ॥ युदः ॥ ना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ति
ह्यनाहंतिः ॥ य नमानसोकोकमयाय ॥ दधपुदध ॥

द्वयं तं ह्येति युक्ता नान्यथा न मानसा दीप्तवन्निवीय ॥ ॥ २ ॥

नूयुना दुःखकः युना याय ॥ ॐ नमः ॥ समाप्तिवि ॥

नैः साताः देविनः ॥ ॐ गगनं विना किं दानादाय
ये नैव तं साता पात्रिकं स्वामि ॥ आननयकः ॐ वद
पास सा ह्ये साता ॥ दत्तप्रका ॥ ॐ शिवदेव्युनाय साता

अयः गगनः ॥ ॐ सुवृषसूक्तं वरदा लनि ययुहि
कुरु साति यय साः इदं न साः दास्य सातन ॥ ॐ अम्य
अम्य नोदः यं दत्तं २ सुर्व विद्या ल प्रसाति कुरु साता ॥ ॐ
युद मयि ॥ ॐ शिवदेव्युनाय साता ॐ वद सा के हि साता ॐ न न
॥ ॐ श्री साता के ययः सकीः ॥ ॐ वद वि
त मा ये साता ॥ मि यि यय ॥ ॐ सुवृषसूक्तं वरदा लनि

॥ क० सू० म॥ ॐ सर्वं नाग यक्ष मना यस्मात् ॥ कुण्ड
ष ति॥ ॥ वक्र वि त्का ना यस्मात् ॥ वं सु य क्क बान
ॐ वक्र ता ह त ह ॥ स्मात् ॥ जवः वि त् ॥ ॐ वक्र म न
स्मात् ॥ क० म० सा प ह ॥ ॐ स व कि न दू गि य स्मात् ॥ न वः
कि हान व गो व ॥ ॐ वक्र ता न व न स्मात् ॥ म वः व रिः

॥ ल व न ॥ ॐ सर्वं सकल स्मात् ॥ भा न वः पि पा ॥
॥ ॐ सर्वं नाग यक्ष मना यस्मात् ॥ किः ह नोः ग व स
॥ ॐ पं सु ग य रिः ॐ वक्र वि य स्मात् ॥ सू म वः ॐ सर्व
म द न ह त स्मात् ॥ प म क स न ॥ ॐ ह न र द्र ॐ गे स्मात्
स ह न ॥ ॐ क क र स व का व सि वि द न य स्मात् ॥

कृष्णः ॐ मं ५१ सबद ध्यान स्थापना ॥ कथनः ॐ वज्रा
वर्षे स्थापना ॥ नक्तुद ॥ ॐ त्रय रत्ने स्थापना ॥ ४१ पद ॥
ॐ फितन पद स्थापना ॥ होमाधिकः ॐ सर्व मन पद
रिद्र ८ स्थापना ॥ नस्था नाधिक ॥ ॐ सम य सर्व आवय साहा
अंगति सि ॥ ॐ सर्व संशा अगसा भय प्रलिक त्र साहा ॥ गी गरी ॥ ॐ कनीधनी सर्व
सिबिकु रत्ने ह् स्थाहा ॥ नकुती कदा ॥ ॥ धन मान सा सिखा

[illegible]

मं तं गंगाः वृक्षः च मर्मसद्यस्य ॥ गंगा अरुनक ॥
सा सन गङ्गाः प्रगु अत्र तं नामित्रा अद्य नम ग्रा
थीः शुक्लवर्णाया वृक्षा को न नाथः गंगा सूत्रय अद्य नम
पता खनिमो वृत्ति अद्य नम ॥ १०० ॥ द पमता प्रनम
म वयमिह ॥ अर्ग्य वृक्ष वृषदिः पना विद स

वर्मका गंगाः मरुता लवण मन्ता वा द्वा सर्व सिधि
स्वाहा ॥ निनादनः मरुता लवणः तायः क्रापः धूप चान्
धेनाठ नया यस्मान्वा यः वृक्षाः नास्याः ॥ १०१ ॥ मदन
यि न ॥ गङ्गा कनता य ॥ वृक्षा ॥ नरमेका ॥ अर्द्वन तय
स्वानत प्रमान ॥ ॐ गङ्गा सिवा कसी देव य ॥ गङ्गा

वा प्राय ॥ गत आ ॥ ॐ नमो ब्रह्मसूत्राय ॥ दसपावनप्राय
 ॥ ॐ ब्रह्माय नमः समावृत्तः कनकप्रगल्भः सुहृत्
 ॥ ॐ नमः ॥ च नंदविः ब्रह्माय नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॥ पुरयवावृत्तः ब्रह्मवचनसुहृत् तिस्रः च नंदविः ॥
 ॥ नमः ॥ तिस्रः नमः ॥ ॐ कामानामयनावृत्तः
 ॥ नमः ॥ सुहृत् तिस्रः च नंदविः कामाविपनः

[illegible]

मार्गद्वय

